PRESS RELEASE

LOK SABHA SPEAKER GREETS THE PEOPLE ON THE EVE OF JANMASHTAMI/लोक सभा अध्यक्ष ने जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दीं

New Delhi; 15 August, 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla has greeted the people on the eve of Janmashtami.

In his message, Shri Birla said,

“Nand ke anand bhayo – Jai Kanhaiya Lal Ki”
On the auspicious occasion of Lord Shri Krishna’s birth festival, Shri Krishna Janmashtami, heartfelt good wishes to all of you.

May the atmosphere of joy and celebration all around, the sweet melodies of devotional songs, and the remembrance of Murli Manohar’s divine pastimes bring new enthusiasm into everyone’s life.

Lord Shri Krishna inspires us to move forward with justice, morality, balance, courage, and wisdom. His life teaches us that no matter how adverse the circumstances, remaining steadfast on the path of truth and righteousness is the real victory. The teachings He imparted in the Bhagavad Gita give us the strength to understand and face life’s complexities.

On this festival of Janmashtami, let us move ahead with devotion and joy to embrace the ideals of Shri Krishna in our lives. On this auspicious occasion, let us all take the pledge to walk the path of truth, love, and compassion, just like Lord Shri Krishna. Let us dedicate our actions towards making our society and nation prosperous, strong, and united.

Jai Shri Krishna."

नई दिल्ली; 15 अगस्त, 2025: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दी हैं।

अपने संदेश में श्री बिरला ने कहा है: "‘नन्द के आनंद भयो–जय कन्हैया लाल की’

भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव "श्रीकृष्ण जन्माष्टमी" पर आप सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं।

चहुँ ओर उल्लास व उत्सव का वातावरण, भक्ति-भजनों की मधुर धुन और मुरलीधर की लीलाओं के स्मरण सभी के जीवन में नई उमंग लेकर आए, यह अभिलाषा है।

प्रभु श्रीकृष्ण हमें न्याय, नीति, संतुलन, साहस और बुद्धिमत्ता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनका व्यक्तित्व हमें सिखाता है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी विपरीत हों, सत्य और धर्म के मार्ग पर अडिग रहना ही सच्ची जीत है। गीता में उनके द्वारा दिए गए उपदेश हमें जीवन की जटिलताओं को समझने और उनका सामना करने की शक्ति प्रदान करते हैं।

जन्माष्टमी के इस पर्व पर हम भक्ति और उल्लास के साथ अपने जीवन में श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाने के लिए आगे बढ़ें। इस शुभ अवसर पर, हम सब यह संकल्प लें कि प्रभु श्रीकृष्ण की तरह अपने जीवन में सत्य, प्रेम और करुणा के मार्ग पर चलेंगे। हम अपने समाज और राष्ट्र को समृद्ध, सशक्त और एकजुट बनाने के लिए अपने कर्मों को समर्पित करेंगे।

जय श्री कृष्ण।"